an>

Title: Demand to increase the salaries of ASHA Bahus.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका बहुत आभारी हूं। यह होता भी है कि जब अपने को कुछ अवसर देने को मिलता है, तो लोग पहले अपने परिवार को कम देते हैं, दूसरों को ज्यादा देते हैं, लेकिन आपने हमारा ख्याल रखा है, इसके लिए हम पूरे मौहल्ले की तरफ से बहुत आभारी हैं।

मैं एक अत्यन्त महत्वपूर्ण विषय की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं कि पूरे देश में मातृत्व लाभ के लिए, मैटेरनिटी बेनेफिट के लिए महिलाओं के बीच में आशा बहुओं के माध्यम से लगभग 8 लाख हमारी बहनें उन महिलाओं को प्रसव के पूर्व या तो प्राइमरी हेल्थ सेंटर पर या डिस्ट्रिक्ट हास्पिटल पर ले जाने का काम करती थीं और उनको एक डिलेवरी में 600 रुपये मानदेय मिलता था। इधर 102 और 108 की जो योजना, नेशनल अर्बन हेल्थ मिशन में और नेशनल रूरल हेल्थ मिशन में, जो इस तरह की गाड़ियां चालू हुई, तो अब उनको वह पैसा मिल रहा है, क्योंकि वे एंबुलेंस से चली जाती हैं। ये आज भी राष्ट्रीय महत्व के सब कार्यक्रम कर रही हैं, चाहे पल्स पोलियो हो, टीकाकरण हो, पुष्टाहार हो या महिलाओं के बच्चों की सुरक्षा हो, उनकी मृत्युदर में भी कमी आई है। इनके मानदेय को कम से कम 3,000 रुपये किया जाए। इनका मानदेय 600 रुपये की जगह 3000 रुपये प्रति माह हो।

माननीय सभापति :

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र और

श्री शरद त्रिपाठी को श्री जगदम्बिका पाल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।